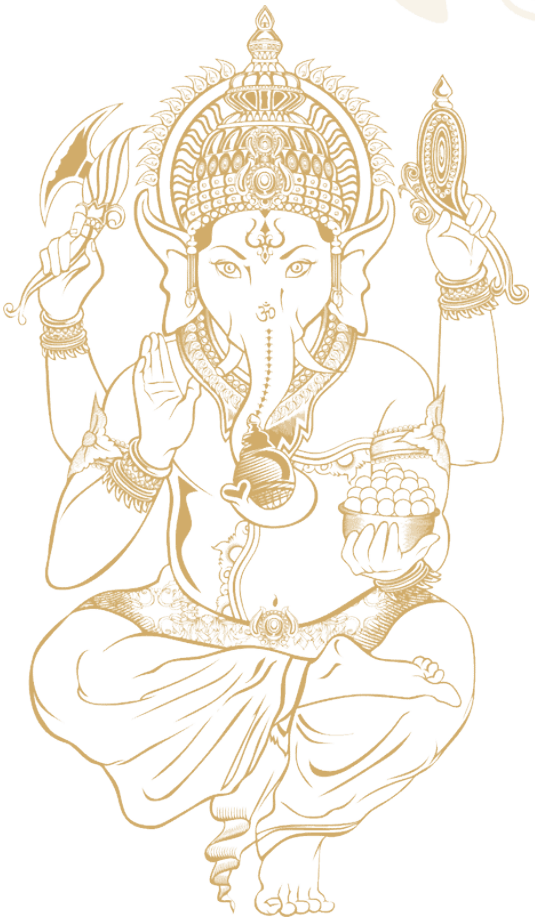

D

Y

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121481710

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/10/1998	जन्म तिथि	19/12/1998
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:24:00	जन्म समय	10:13:00 घंटे
घटी 27:09:31	जन्म समय(घटी)	07:40:42 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Jaipur
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:11	सूर्योदय	07:10:17
17:42:28	सूर्यास्त	17:37:05
23:50:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 6मा 6दि	07:16:50	मेष	लग्न	मक	18:57:56	केतु 3वर्ष 9मा 25दि
गुरु	12:01:08	तुला	सूर्य	धनु	03:13:21	सूर्य
06/05/2023	24:15:04	मक	चंद्र	धनु	06:03:27	14/10/2022
06/05/2039	19:25:20	सिंह	मंगल	कन्या	18:00:28	14/10/2028
गुरु 24/06/2025	01:53:05	वृश्चि	बुध	वृश्चि	11:43:49	सूर्य 01/02/2023
शनि 05/01/2028	24:42:30	कुंभ व	गुरु	कुंभ	26:25:43	चन्द्र 02/08/2023
बुध 12/04/2030	11:50:39	तुला	शुक्र	धनु	15:28:49	मंगल 08/12/2023
केतु 19/03/2031	05:51:59	मेष व	शनि व	मेष	03:01:46	राहु 01/11/2024
शुक्र 17/11/2033	05:06:59	सिंह	राहु व	कर्क	29:45:12	गुरु 20/08/2025
सूर्य 05/09/2034	05:06:59	कुंभ	केतु व	मक	29:45:12	शनि 02/08/2026
चन्द्र 05/01/2036	15:01:13	मक	हर्ष	मक	16:29:13	बुध 09/06/2027
मंगल 11/12/2036	05:38:10	मक	नेप	मक	06:46:38	केतु 14/10/2027
राहु 06/05/2039	12:52:52	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:48:34	शुक्र 14/10/2028

लग्न-चलित

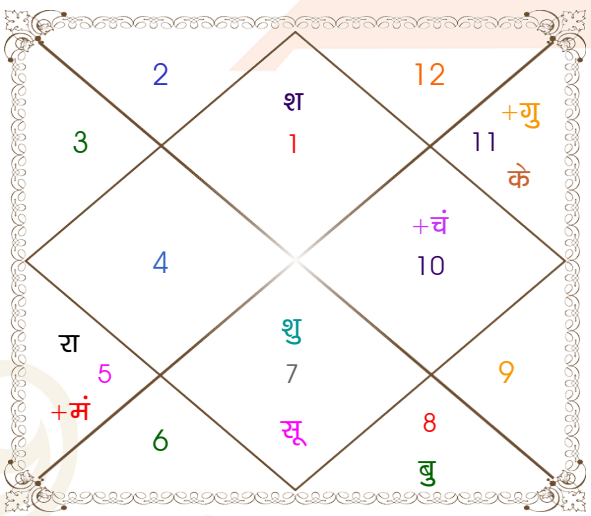

लग्न-चलित

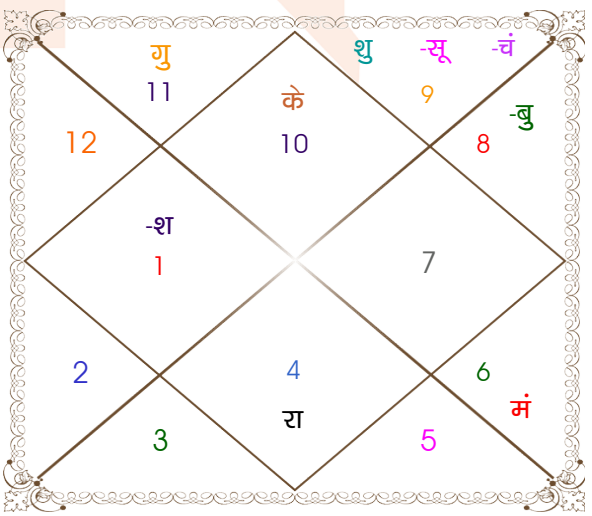

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है Dयोंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

D का वर्ग मार्जार है तथा Y का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार D और Y का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

D मंगलीक नही है Dयोंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Y मंगलीक नही है Dयोंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

D तथा Y में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।